PGCMHT

मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम
(पी.जी.सी.एम.एच.टी.)

सत्रीय कार्य
2022

(जनवरी 2022 और जुलाई 2022 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

Scanned with CamScanner

मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम

(पी.जी.सी.एम.एच.टी.)

सत्रीय कार्य 2022

(जनवरी 2022 और जुलाई 2022 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि 'मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम' (पी.सी.एम.एच.टी.) की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है कि इस अध्ययन कार्यक्रम में पढ़ाई के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। चार पाठ्यक्रमों वाले इस कार्यक्रम के तीन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आपको एक–एक सत्रीय कार्य करना होगा और चौथा पाठ्यक्रम 'अनुवाद परियोजना' से संबंधित है। सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ करें। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य आप अपनी सुविधा के अनुसार अलग–अलग प्रस्तुत कर सकते हैं और एक साथ भी प्रस्तुत कर सकते हैं! सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम कोड एवं शीर्षक	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2022 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2022 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी.–001 भारतीय भाषाओं में अनुवाद	**31.03.2022**	**30.09.2022**
एम.टी.टी.-004 मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन	**31.03.2022**	**30.09.2022**
एम.टी.टी.–005 मलयालम–हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद	**31.03.2022**	**30.09.2022**

उद्देश्य : प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत आपको भारतीय भाषाओं में अनुवाद, मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन के साथ–साथ इन भाषाओं के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद का अभ्यास कराया गया है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद कार्य में उसे व्यवहार में लाते हुए अच्छा अनुवाद कर सकें।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।

2) प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके तीन सत्रीय कार्यों के लिए तीन उत्तर–पुस्तिकाएँ होनी चाहिए।

3) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर अपना नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें।

Scanned with CamScanner

4) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : ....

नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पता : ....

....

पाठ्यक्रम कोड :..

पाठ्यक्रम का शीर्षक : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

हस्ताक्षर :..

अध्ययन केंद्र का नामः ....

तिथि : ....

---

5) पाठ्यक्रम के कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

6) अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। बायीं ओर 4 से.मी. का हाशिया छोड़ दें। एक उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें। ऐसा करने से परीक्षक उचित स्थान पर अपनी टिप्पणी दे पाएँगे।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

- सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर लिखिए। व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर समुचित कोश का उपयोग करते हुए प्रसंग और संदर्भानुसार देने हैं।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। सत्रीय कार्य जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें पढ़ लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण बातों को नोट कर लें, फिर उनको व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ।
- जब आपको विश्वास हो जाए कि जो उत्तर आप देने जा रहे हैं संतोषजनक हैं, तब उन्हें साफ–साफ लिखें और जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।
- अनुवाद के व्यावहारिक प्रश्नों को करते समय 'कोश' का भरपूर प्रयोग करें। विषय एवं संदर्भ का विशेष ध्यान रखें। मलयालम और हिंदी के कथनों की तुलना करें। यह देखें कि अनुवाद से वही अर्थ निकल रहा है जो मूल सामग्री से निकलता है। यह भी सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद लक्ष्य भाषा की उपयुक्त शैली के अनुरूप है, स्रोत भाषा की छाया मात्र नहीं। अनुवाद में मूल लेखन की–सी सहजता लाने के लिए अपनी कल्पनाशीलता और लेखन–क्षमता का उपयोग करें।
- निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षेप में होनी चाहिए। इसमें यह बताएँ कि प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में आपके उत्तर का सार होना चाहिए। उत्तर सुसंगत और सुसंबद्ध हों। वाक्यों और अनुच्छेदों में परस्पर तालमेल होना चाहिए। उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्न से संबद्ध होना चाहिए। यह देख लें कि आपने प्रश्न में निहित सभी मुख्य बातों के उत्तर शामिल किए हैं।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपके उत्तर तार्किक और सुसंगत हों।

Scanned with CamScanner

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो।

ग) उत्तर सही ढंग से लिखे गए हों तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति उत्तर के पूर्णतया अनुकूल हो।

घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबे न हों।

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

च) उत्तर अपने हाथ से लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न करें। अपने उत्तर को विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों से नकल न करें। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको कम अंक मिलेंगे।

छ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें, यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

ज) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें।

झ) प्रत्येक उत्तर के साथ उसके प्रश्न की संख्या लिखें।

ञ) सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अध्ययन केंद्र के पास भेज दें। अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य की उत्तर–पुस्तिका को किसी भी स्थिति में **मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।**

ट) अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य को प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से (सत्रीय कार्य प्राप्त किए) प्राप्ति दर्ज करा लें।

ठ) यदि आपने क्षेत्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने की सूचना नहीं भेज दी जाती।

शुभकामनाओं के साथ,

Scanned with CamScanner

भारतीय भाषाओं में अनुवाद (एम.टी.टी–001)
सत्रीय कार्य
(जनवरी 2022 और जुलाई 2022 सत्रों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.बी.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–001/एएसटी/(टी.एम.ए.)/2022

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए।

1. बहुभाषिकता के हानि–लाभ को लेकर बहस के विविध आयामों पर एक निबंध लिखिए। 10
2. भारतीय भाषाओं की शब्दावली में विद्यमान अर्थपरक असमानताओं पर विस्तृत चर्चा कीजिए। 10
3. भाषा–परिवार से आप क्या समझते हैं? भारत के प्रमुख भाषा–परिवारों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए। 10
4. ध्वनि और वर्ण का अर्थ स्पष्ट करते हुए अनुवाद में वर्णमाला का महत्व सिद्ध कीजिए। 10
5. भारतीय भाषाओं की वाक्य रचना की समानताओं और असमानताओं पर अनुवाद की दृष्टि से विचार कीजिए। 10
6. बहुभाषिक समाज में अनुवाद के विविध क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए। 10
7. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के विभिन्न प्रकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10
8. मशीनी अनुवाद की संकल्पना स्पष्ट करते हुए मशीनी अनुवाद की प्रक्रिया एवं विधियों की चर्चा कीजिए। 10
9. 'सामाजिक–सांस्कृतिक विशिष्टताओं का अनुवाद में पुनःसृजन' पर एक निबंध लिखिए। 10
10. निम्नलिखित पर लगभग 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

    (क) आशु अनुवाद की आंतरिक प्रक्रिया

    (ख) अनुवाद का पुनरीक्षण

Scanned with CamScanner

मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन (एम.टी.टी.–004)

(जनवरी 2022 और जुलाई 2022 सत्रों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–004
सत्रीय कार्य : एम.टी.टी.–004 / एएसटी / (टी.एम.ए) / 2022

अधिकतम अंक : 100

1 निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए : 10×2=20

(क) मलयालम और हिंदी की लिंग-व्यवस्था की तुलना कीजिए।

(ख) मलयालम और हिंदी के कृष्णकथा साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2: निम्नलिखित मलयालम शब्दों के हिंदी पर्याय बताइए 5

1) ആന	11) തിരഞ്ഞെടുപ്പ്
2) ആകാശം	12) മുൽഗണന
3) ഇഞ്ചി	13) വെണ്ണ
4) കട്ടിൽ	14) കൊതുക്
5) കാലാവസ്ഥ	15) ചെന്നായ്
6) വിശ്വസ്തനായ	16) തലപ്പാവ്
7) ഭൂമിശാസ്ത്രം	17) ശുതല
8) ഒപ്പ്	18) കടലാസ്
9) രാജ്ഞി	19) കൃഷി
10) ഭൂരിപക്ഷം	20) അരി

Scanned with CamScanner

3 निम्नलिखित हिंदी शब्दों के मलयालम पर्याय बताइए। 5

1) सस्ता
2) मुहावरा
3) हवाई जहाज़
4) कार्यालय
5) अमीर
6) खत्म होना
7) हफ्ता
8) रवाना होना
9) कार्यक्रम
10) पूरब
11) धन्यवाद
12) पीला
13) भर्ती होना
14) कोयल
15) लहँगा
16) मज़दूरी
17) आदेश
18) अनुशासन
19) बैठक
20) मुसाफिर

Scanned with CamScanner

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 20

1) ഹിമാലയത്തിൽ നിന്ന് അനേകം നദികൾ ഉത്ഭവിക്കുന്നു.

2) കാളിദാസൻ രഘുവംശ മഹാകാവ്യം രചിച്ചു.

3) എനിക്ക് ജർമ്മൻ ഭാഷയിൽ സംസാരിക്കാൻ അറിയാം.

4) ഇന്നലെ വന്ന പയ്യനെ നിങ്ങൾക്ക് തിരിച്ചറിയാൻ പറ്റുമോ?

5) ഇക്കൊല്ലം കശ്മീരിൽ ഭയങ്കര വെള്ളപ്പൊക്കം ഉണ്ടായി

6) ദീപാവലി ഭാരതത്തിലെ മിക്കവാറും എല്ലാ ഭാഗങ്ങളിലും ആഘോഷിക്കപ്പെടുന്നു.

7) ഈ കോട്ട കെട്ടിയിട്ട് എത്ര വർഷങ്ങളായി?

8) ഇന്ത്യയുടെ മൂന്നു ഭാഗങ്ങളും സമുദ്രമാണ്.

9) ഈ ക്ലാസിലെ എല്ലാ വിദ്യാർത്ഥികളും പാസ്സായി.

10) ജപ്പാനെപ്പോലെ നമ്മുടെ നാട്ടിലെ ബുള്ളറ്റ് ട്രെയിൻ ഓടിത്തുടങ്ങും.

11) എനിക്ക് നാളെത്തന്നെ ഡൽഹിക്ക് പോകണം.

12) മകൻ ഒന്നാമനായി വിജയിച്ചതിൽ അച്ഛൻ വളരെ സന്തോഷിച്ചു

13) അമ്മാവൻ ഡിസംബർ മാസം മടങ്ങിവരും.

14) കർണ്ണനും അർജ്ജുനനും ഒരുപോലത്തെ വില്ലാളികളായിരുന്നു.

15) നീ മഴ നനയരുത്; ജലദോഷം പിടിക്കും.

16) നളിനി മറ്റന്നാൾ വരാമെന്നു പറഞ്ഞു.

17) ഇന്നലെ രാത്രി മുഴുവനും മഴപെയ്തു

18) രാജധാനി എക്സ്പ്രസ് എത്രമണിക്ക് വരും?

19) നിങ്ങൾ എത്ര പ്രാവശ്യം കന്യാകുമാരി സന്ദർശിച്ചു?

20) എന്റെ അനുജത്തിക്ക് ചോക്ലേറ്റ് വളരെ ഇഷ്ടമാണ്.

Scanned with CamScanner

5 (क) निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों का आशय हिंदी में स्पष्ट कीजिए। 10

1) കുഴി വെട്ടി ചുണ്ണാക്കുക
2) മാറ്റുരച്ചുനോക്കുക
3) സ്വന്തം കാലിൽ നിൽക്കുക
4) പരിപ്പു വേവുക
5) കണ്ണിലെ കരട്
6) അഞ്ചു വിരലും ഒരു പോലല്ല
7) [illegible]
8) അരക്കുടം അലയ്ക്കും നിറകുടം തുളുമ്പില്ല
9) വിളക്കിന് ചുവട്ടിൽ ഇരുട്ടോ?
10) എരിയുന്ന തീയിൽ എണ്ണയൊഴിക്കരുത്

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों के लिए हिंदी लोकोक्तियाँ / मुहावरे लिखिए। 10

1) പുണ്ണനാച്ചി പുറമ്പുറം തൂക്കും.
2) കോഴി കട്ടവന്റെ തലയിൽ പൂട.
3) ഇക്കരെ നിൽക്കുമ്പോൾ അക്കരെ പച്ച.
4) കക്കാൻ പഠിച്ചാൽ നിൽക്കാനും പഠിക്കണം
5) കുരയ്ക്കും പട്ടി കടിക്കില്ല.
6) കുരങ്ങന്റെ കയ്യിൽ പൂമാല
7) വാക്ക് പാലിക്കുക
8) [illegible]
9) ആകാശക്കോട്ട കെട്ടുക
10) ഇടിവെട്ടിയവനെ പാമ്പ് കടിക്കുക

Scanned with CamScanner

6 निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

10×2=20

(क)

പ്രകൃതിക്ക് ധാരാളം സമയമുണ്ട്. എന്നാലും പൂ വിരിയുന്ന കാര്യത്തിലും വിരിയുന്ന പൂവ് കൂമ്പുന്ന കാര്യത്തിലുമെല്ലാം കൃത്യമായ സമയനിഷ്ഠയുണ്ട്. ചെടികളിലും മരങ്ങളിലും ഇലയും പൂവും വരുന്നതു പോലെയാണ് ഈ ഭൂമണ്ഡലത്തിൽ ഋതുക്കൾ വരുന്നത്. ശിശിരം കഴിഞ്ഞാൽ വസന്തം വരും. വസന്തം എത്രതന്നെ ആഹ്ലാദകാരിയാണെങ്കിലും ഒരോ വസന്തത്തിനുമറിയാം ഇനി പൂക്കളിൽ നിന്നു പഴങ്ങളും ബീജങ്ങളും വരേണ്ട സമയമാണെന്ന്. പൂവ് വിരിഞ്ഞപ്പോൾ അത് എത്ര നിശ്ശബ്ദമായിട്ടായിരുന്നോ, അതുപോലെ ഉച്ചവെയിലിൽ പവനൻ വരുമ്പോൾ ആവശ്യം കഴിഞ്ഞ പൂവിന്റെ ദലങ്ങളെയെല്ലാം പൂവിനു വേദനുക്കാതെ തന്നെ കാറ്റിൽ പറത്തിക്കളെയും. പിന്നെ പൂക്കളും വഹിച്ചുനിന്ന ചെടികളും മരങ്ങളുമെല്ലാം അമ്മയെപ്പോലെയാണ്. അവരുടെ ഗർഭത്തിലിരിക്കുന്ന അടുത്ത തലമുറയെ കൊണ്ടുവരാൻ ചൂട് വേണം. അതുകൊണ്ട് ശരത്ക്കാലം വരും. വർഷം വരുന്നതിന് മുമ്പ് വിളവെടുപ്പുകാലമാകും. പിന്നെയും വിത്തുകളെല്ലാം പുനരാവിർഭാവത്തിന് തയാറാകുമ്പോഴേക്കും കടലിൽ നിന്നു കറുത്ത മഴമേഘങ്ങൾ ആകാശത്തിലേക്ക് പൊന്തിവരും. അപ്പോൾ മാത്രമേ പ്രകൃതി മൗനം ഭഞ്ജിക്കാറുള്ളു. ലോകം അറിയണം ആകാശത്തു നിന്നു കൃപാരസം വരുന്നുണ്ടെന്ന്. പത്തു ചതുരശ്രഗജം മുതൽ ആയിരം ചതുരശ്രമൈൽ വരെ പരന്നുപെയ്യുന്ന മഴകളുണ്ട്. ഭൂമിക്കുമുഴുവനും ജീവനും പകർന്നു കൊടുക്കുന്ന സമയമാണിത്. അപ്പോൾ മേഘങ്ങൾ പൊട്ടിച്ചിരിക്കും. ഇരുൾ കീറുന്നതുപൊലെ വൈദ്യുതി പ്രവാഹമുണ്ടാകും. മഴയെല്ലാം തീർന്നു കഴിഞ്ഞാൽ പിന്നെ ഭൂമിയും കർഷകനും അടുത്ത പരിപാടിക്ക് തയാറെടുക്കുകയാണ്.

ഭൂമിക്കും വേണം .വിശ്രമം. മരങ്ങൾക്ക് എപ്പോഴും ഉടുത്തൊരുങ്ങി നിൽക്കാനല്ല ആഗ്രഹം. ഹേമന്തം വരുമ്പോഴേക്കും ഇലയെല്ലാം പൊഴിച്ചു കളയണം. പിന്നെ ഇലയില്ല, പുവില്ല, കായില്ല. ആത്മാവിലെന്നപൊലെ വൃക്ഷലതാദികൾ നഗ്നമായി നിൽക്കും. ഇത് മനുഷ്യന് പ്രകൃതി നൽകുന്ന മൗനത്തിൽക്കൂടിയുള്ള സമാധാനപാഠമാണ്.

(നിത്യ ചൈതന്യ യതി)

(ख)

ജ്യോതിഷവുമായി നിത്യജീവിതത്തെ ബന്ധിപ്പിച്ചിട്ടുള്ള ജനങ്ങൾ ഏറെയാണ്. വിവാഹമായാലും ഗൃഹപ്രവേശമായാലും കുട്ടികളുടെ ജനനമായാലും ഗ്രഹനില നോക്കുന്നവർ എത്രയോ പേരുണ്ട്. സ്വകാര്യവും കുടുംബപരവുമായ ഏതനുഭവത്തെയും ജ്യോതിർഗോള സാന്നിധ്യവുമായി കൂട്ടിയിണക്കുന്നവരുടെയും യാത്രകൾ പോലും ജ്യോതിഷിയുടെ നിർദേശാനുസരണം നിശ്ചയിക്കുന്നവരുടെയും എണ്ണം കൂടിവരികയാണ്. പുരാണപ്രോക്തമായ ജ്യോതിഷത്തിൽ പ്രമാദം ഒട്ടുമില്ല എന്ന് പ്രചരണം ഇതിനിടെ മുറുകിവരുന്നു. ജ്യോതിഷത്തെ ഭാരതീയ ജ്യോതിശ്ശാസ്ത്രത്തിന്റെ തുടർച്ചയും വളർച്ചയുമായി ഉയർത്തിക്കാട്ടാനും പലർക്കും മടിയില്ല. ടി.വി.ചാനലുകളിലൂടെയും പത്രങ്ങളിലൂടെയുമുള്ള ജ്യോതിഷ പരിപാടികളിൽ മനുഷ്യന്റെ ഭാഗദേയങ്ങളെ ആകാശഗോളങ്ങളുടെ സ്ഥാനക്രമവുമായി ചേർത്തുവെച്ചുള്ള പ്രവചനങ്ങൾ ശക്തമായിരിക്കുന്നു. ജാതകങ്ങൾ കമ്പ്യൂട്ടറിൽ ഗണിക്കപ്പെടുന്നു; വിവാഹപ്പൊരുത്തം കമ്പ്യൂട്ടർ നിശ്ചയിക്കുന്നു. സാധാരണ ജനങ്ങളെ സംബന്ധിച്ചിടത്തോളം കമ്പ്യൂട്ടറിനപ്പുറം ശാസ്ത്രസത്യം മറ്റൊന്നുമില്ല. ഇതിന്റെയെല്ലാം ഫലമായി ജ്യോതിഷവും ജ്യോതിശ്ശാസ്ത്രവും രണ്ടാണ് എന്ന സത്യംപോലും പലർക്കും അറിഞ്ഞുകൂടാ എന്നതാണവസ്ഥ.

Scanned with CamScanner

7. निम्नलिखित अनुच्छेद का मलयालम में अनुवाद कीजिए। 10

गांधीजी ने पुस्तकें तो मुख्यत: तीन लिखीं—'हिंद स्वराज', 'आत्म-चरित' एवं 'दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह का इतिहास'। किंतु उनके अपने अफ्रीका प्रवास में और उनके उपरांत भारत में वापस आने के उपरांत कई पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया तथा बहुत कुछ लिखा। उनकी पत्र-पत्रिकाएँ जनसाधारण तक पहुँचीं और उनसे संवाद स्थापित करने का अपना बड़ा सोचा-समझा मार्ग था। लंबे राजनीतिक विषयों पर छोटी-बड़ी सभाओं में अनेक भाषण दिए। वे सब संकलित किए गए हैं १०० खंडों में। उनका पत्र-व्यवहार भी अत्यंत विस्तृत था। देश व विदेश के जाने और अनजाने व्यक्ति उनको पत्र लिखते तथा वे उनका उत्तर देते। गांधीजी ने अपना संपादकीय दायित्व अत्यंत गंभीरता से लिया। जो आदर्श अपने लिए उन्होंने चुने थे, वे सब उनकी संपादकीय लेखनी से भी निकलते थे। गांधीजी की पत्रकारिता के विषय में अंग्रेजी में थोड़ा-बहुत लिखा गया है, हिंदी और देश की अन्य भाषाओं में बहुत कम। जो लिखा गया है, वह वर्णनात्मक अधिक है, विश्लेषण का अभाव ही है। 'गांधी : पत्रकारिता के प्रतिमान' करीब तीन सौ पन्ने की पुस्तक देखने में आई। लेखक हैं डॉ. कमल किशोर गोयनका। गोयनका प्रेमचंद साहित्य के विभिन्न पक्षों पर किए गए शोध के लिए विख्यात हैं। प्रेमचंद के संपूर्ण साहित्य की ग्रंथावली उन्होंने साहित्य अकादेमी के लिए पिछले दिनों संपादित की है। प्रेमचंद संबंधी उनकी २२ पुस्तकें हैं। प्रेमचंद पर अधिक लिखने के कारण उनको प्रेमचंद के दोहन का निरर्थक आरोप भी सहना पड़ा। वे प्रेमचंद के शोध में रम गए और वह उनकी साहित्यिक विशेषज्ञता का मुख्य अंग बन गया। वैसे उन्होंने अन्य विषयों पर भी बहुत कुछ लिखा है। गांधी की पत्रकारिता पर उनकी यह पुस्तक उसका एक अच्छा उदाहरण है।

Scanned with CamScanner

मलयालम–हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद (एम.टी.टी.–005)
(जनवरी 2022 और जुलाई 2022 सत्रों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.एम.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–005
सत्रीय कार्य : एम.टी.टी.–005/एएसटी/
(टी.एम.ए)/2022

अधिकतम अंक : 100

1 निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10

(1) ഭാരതത്തിലെ ഭൂരിഭാഗം ജനങ്ങളും താമസിക്കുന്നത് ഗ്രാമങ്ങളിലാണ്

(2) പാലത്തിന്റെ പണി തീരാൻ എത്ര കാലം പിടിക്കും?

(3) നിങ്ങൾ മോഹൻ രാകേശിന്റെ ആഷാഢ് കാ ഏക് ദിൻ എന്ന നാടകം വായിച്ചിട്ടുണ്ടോ?

(4) സുഭാഷ് ബോസിന്റെ പേര് നാട്ടിലെ ഓരോ കുട്ടിയും അറിയും

(5) കേരളം ഇന്ത്യയുടെ തെക്കുപടിഞ്ഞാറു സ്ഥിതി ചെയ്യുന്നു.

(6) ശ്രീമാൻജി, ഞാൻ അകത്തേക്ക് വരട്ടെയോ?

(7) കോഴിക്കോട് കേരളത്തിലെ പ്രധാന നഗരങ്ങളിൽ ഒന്നാണ്.

(8) ഈ തിയേറ്ററിൽ ഞായറാഴ്ച രാവിലെ കുട്ടികൾക്കുള്ള ചലച്ചിത്രം പ്രദർശിപ്പിക്കപ്പെടുന്നു.

(9) തിരുവനന്തപുരത്തിനും കൊല്ലത്തിനും മധ്യേ വർക്കല എന്ന സമുദ്രതീര നഗരം ഉണ്ട്.

(10) നിങ്ങൾക്ക് ഈ മല കയറാൻ സാധിക്കുമോ?

Scanned with CamScanner

2. निम्नलिखित शब्दों के मलयालम और हिंदी अर्थ बताइए। 5

1) चरित्र
2) आशा
3) राज्य
4) तत्काल
5) आधार
6) सम्मान
7) सौजन्य
8) कल्याण
9) समाधान
10) अतिशय
11) संगति
12) अवधि
13) वर्तमान
14) विधि
15) अन्याय
16) उपन्यास
17) संकल्प
18) भेद
19) सूत्र
20) अवसर

Scanned with CamScanner

3 कुछ शब्द ऐसे हैं जिनके मलयालम और हिंदी में समान पर्याय प्रचलित हैं, उदाहरण के लिए -

उर्दू पर्याय	मलयालम	हिंदी
मिन्नत	प्रार्थना	प्रार्थना

नीचे कुछ ऐसे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनके मलयालम और हिंदी पर्याय बताइए । 5

उर्दू पर्याय

1) एतराज
2) किस्मत
3) फ़र्ज़
4) मुश्किल
5) फैसला
6) ज़बान
7) मुहब्बत
8) नुकसान
9) मिसाल
10) इज्जत
11) नफरत
12) इन्सान
13) इजाजत
14) फरियाद
15) मेहरबानी

Scanned with CamScanner

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 7×10 = 70

1) ആവിർഭാവം മുതൽ തിരോഭാവം വരെ കടന്നുപോകേണ്ടുന്ന ഒരു ഒഴുക്കിലാണ് ലോകം മുഴുവനും. അക്കൂട്ടത്തിൽ ഒരു ഓഷധിയിലോ വനസ്പതിയിലോ മൊട്ടിട്ടുവരുന്ന അങ്കുരങ്ങൾ സാവധാനത്തിൽ വികസിച്ച് അഴകുള്ള ആകൃതിയെ വെളിയിലേക്ക് കൊണ്ടുവരുന്ന നാമ്പുകളായി വരുന്നു. എത്ര നേരം നോക്കി നിന്നാലും നാമ്പു വരുന്നത് എങ്ങനെയെന്ന് കാണാനാവുകയില്ല. ഇലച്ചാർത്തു വന്നു കഴിഞ്ഞാൽ പിന്നെ കുഞ്ഞുകുഞ്ഞു മൊട്ടുകൾ ഇലകളുടെ ഇടയിൽ പ്രത്യക്ഷപ്പെടും. ചിലപ്പോൾ ഒറ്റയ്ക്ക്, ചിലപ്പോൾ കുലകുലയായി. ആരെങ്കിലും തുറിച്ചു നോക്കുന്നത് അതിന് ഇഷ്ടമില്ലാത്തതുപോലെയാണ്. നാം ശാന്തമായി കിടന്നുറങ്ങുമ്പോൾ പൂമരങ്ങളും പൂച്ചെടികളും പ്രഭാതസൂര്യനെ സ്വപ്നം കാണുകയാണ്. പ്രഭാതത്തിലെ ആദ്യത്തെ ആലോലവായു വരുമ്പോൾത്തന്നെ വിടരാൻ പാകത്തിൽ പ്രായമെത്തിയ പൂക്കൾ കാത്തു നിൽക്കുന്നു. ഓരോ പൂവ് വിടരുന്നതും ഹൃദ്യമായ മന്ദഹാസം പോലെയാണ്. എന്നാൽ അവ പൊട്ടിച്ചിരിക്കുകയില്ല. മലകളുടെ മുകളിൽക്കൂടി മഞ്ഞ് കയറി വന്ന് ഇലകളിലും പുഷ്പദലങ്ങളിലും വെണ്മയുള്ള തുഷാരബിന്ദുക്കൾ പതിപ്പിച്ചുപോകുന്നത് ഒരു ഉദ്വേഗവും ഇല്ലാതെയാണ്. അത്രയ്ക്ക് ശാന്തമാണ് പ്രകൃതിയുടെ ഓരോ വികാസശൈലിയും.

2) ആശാൻ, ഉള്ളൂർ, വള്ളത്തോൾ - ഇവരെ കവിത്രയം എന്നു വിളിക്കയാണ് മലയാളികളുടെ പതിവ്. ഇങ്ങനെയൊരു ഗണം തിരിക്കൽ നമുക്കെന്തോ വിശേഷിച്ച് ഇഷ്ടമാണെന്നു തോന്നുന്നു. ചില പൊതുധർമങ്ങളുടെ പേരിലേ ഈ മൂന്നു പേരെ മൊത്തം ഒറ്റഗണത്തിൽ പെടുത്തുന്നതിന് പ്രസക്തിയുള്ളൂ. പേർത്തുനോക്കുമ്പോൾ ഗണത്തിലെ ഓരോ വ്യക്തിയുടെയും സ്വത്വം വെവ്വേറെ ഉരുത്തിരിഞ്ഞു കിട്ടുന്നു. ഉള്ളൂരിനെ മുൻനിർത്തി ഇപ്രകാരം ഒരു പേർത്തുനോക്കലിനാണ് ഈ പ്രബന്ധത്തിൽ മുതിരുന്നത് - അതും അദ്ദേഹത്തിന്റെ ഒറ്റക്കൃതിയിൽ ഒതുങ്ങിക്കൊണ്ട്. 'തരംഗിണി'യിൽ ഉൾപ്പെടുന്ന 'അന്നും ഇന്നും' എന്ന കൃതിയോട് ലഘുവായി ഇടപഴകി നോക്കാം.

ആയിരത്തിത്തൊള്ളായിരത്തി ഇരുപതുകളിലാണ് ഈ കൃതിയുടെ ആവിർഭാവം - നാടിന്റെ അടിമത്തം കവിയുടെ ദേശീയബോധത്തെ ദീപ്തമാക്കുന്ന കാലം. ദേശീയതയോടുള്ള പ്രതികരണം പല പ്രകാരത്തിലാവാം. ഉദാഹരണത്തിന്, ജാതിമദിരാന്ധരായ തനയർ തമ്മിലടിച്ച് അന്തപ്പെടുന്ന ഇന്ത്യൻ അവസ്ഥയിൽ ദേശീയത എന്ന ആശയത്തെത്തന്നെ ആശാൻ സംശയിച്ചു. വള്ളത്തോളാകട്ടെ, ദേശീയതയെ പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കുന്ന ഏതു പ്രസ്ഥാനത്തോടും വ്യാപകമായി താദാത്മ്യം വരിച്ചു. പുറത്തു മാത്രം പോരാ, മനസ്സിനകത്തും പ്രസ്ഥാനത്തെ പ്രചോദിപ്പിക്കേണ്ടതുണ്ട് എന്ന് ഉള്ളൂർ തിരിച്ചറിഞ്ഞിരിക്കാം.

Scanned with CamScanner

3)

കൂളി : ഇവിടെ ഉള്ളവരൊക്കെ എന്റെ മക്കളാണ്. ദെ, ഇവനെ കണ്ടില്ലേ? (ഒരാളുടെ അടുത്തുപോകുന്നു. അയാൾ പേടിച്ച് പിന്മാറുന്നു. കൈയിലെടുത്താലോ എന്ന പേടിയാണ്.) ഇവന് എന്റെ ഛായയില്ലേ. എന്നെപ്പോലെ ഭംഗിയുള്ള മുഖം. ഇവൻ പതിനയ്യായിരത്തി ഒരുനൂറ്റി ഇരുനൂറ്റിപ്പതിനഞ്ചാമത്തെ പുത്രനാ. കൊള്ളില്ല, പോക്കാ (അവനെ എടുക്കാൻ ശ്രമിക്കുമ്പോൾ ഓടിപ്പോകുന്നു.)

കൊട്ടുകാർ : ഇത്രയധികം മക്കളുണ്ടോ? പതിനയ്യായിരത്തി ഒരുനൂറ്റി ഇരുനൂറ്റിപ്പതിനഞ്ചാമത്തെ പുത്രനോ? ഇളേതാണോ?

കൂളി : അല്ല.

കൊട്ടുകാർ : പിന്നെ?

കൂളി : മൂത്തപുത്രൻ, അവൻ തൊലഞ്ഞുപോയി (ആരെയോ അന്വേഷിക്കുന്നതായി അഭിനയിക്കുന്നു. കാണികളുടെ ഇടയിലേക്കു പ്രവേശിക്കുന്നു).

കൂളി : ഇവിടെ എന്റെ ഒരു മകനെ കാണണമല്ലോ. ഇവിടെ എവിടെയോ ഉണ്ട്.

(എന്നുപറഞ്ഞ് കൂളി ആളുകളുടെ ഇടയിലേക്കു പ്രവേശിക്കുന്നു. നോട്ടംവച്ചയാൾ ഓടുന്നു. കൂളി നോട്ടംവച്ച ഒരാളെ പിടികൂടി രണ്ടു കൈയിലും എടുത്തു കൊണ്ടുവരുന്നു. ആളുകൾ ആവേശഭരിതരാകുന്നു. കൂളി പീഠത്തിലിരിക്കുന്നു. ആളെ മടിയിലിരുത്തുന്നു. മിക്കവാറും മധ്യവയസ്കരായിരിക്കും. അല്ലെങ്കിൽ കുട്ടികൾ.)

കൊട്ടുകാർ : ഇയാളാണോ മകൻ?

കൂളി : ആ... കിട്ടിപ്പോയ്. ഇവനെന്റെ മൂത്തമോന്റെ ഇളേതാ. എന്റെ മോനെ കിട്ടിപ്പോയ്. അവന് മുല കൊടുക്കട്ടെ.

4)

ആര്യഭടന്റെ വിപ്ലവകരമായ ആശയങ്ങൾ സ്വീകരിക്കാൻ സ്വാഭാവികമായും അന്നത്തെ സമൂഹം തയ്യാറായില്ല. മറ്റു ജ്യോതിഷികളുടെയും പുരോഹിത വിഭാഗത്തിന്റേയും ശക്തമായ എതിർപ്പുകൊണ്ടാകണം, ഉത്തര ഭാരതത്തിൽ അദ്ദേഹം തമസ്കരിക്കപ്പെട്ടു. എന്നാൽ തെക്ക്, പ്രത്യേകിച്ച് കേരളത്തിൽ, അദ്ദേഹത്തിനു ധാരാളം ശിഷ്യന്മാരുണ്ടായി. മാധവനും പരമേശ്വരനും നീലകണ്ഠ സോമയാജിയും ആര്യഭട പക്ഷക്കാരായിരുന്നു.

ആര്യഭടന്റെ മുഖ്യ വ്യാഖ്യാതാവും ആര്യഭട സിദ്ധാന്തത്തിന്റെ ശക്തനായ പോരാളിയും ആയിരുന്നു ഭാസ്കരൻ ഒന്നാമൻ. അദ്ദേഹം ജനിച്ചതെന്നാണെന്ന് കൃത്യമായി അറിയില്ല. ബ്രഹ്മഗുപ്തന്റെ സമകാലികനായിരുന്നു എന്നറിയാം. ആര്യഭടീയഭാഷ്യം രചിച്ചത് 629 ലാണ്. മഹാഭാസ്കരീയവും അതിന്റെ സംക്ഷിപ്തരൂപമായ ലഘുഭാസ്കരീയവുമാണ് മറ്റു രണ്ട് കൃതികൾ. മഹാഭാസ്കരീയം ആര്യഭടീയത്തിലെ മൂന്ന് ജ്യോതിശ്ശാസ്ത്ര അധ്യായങ്ങളുടെ വിസ്തരിച്ചുള്ള വ്യാഖ്യാനമാണെങ്കിലും സ്വന്തമായ നിരവധി സംഭാവനകളും അതിലൂടെ അദ്ദേഹം അവതരിപ്പിക്കുകയുണ്ടായി. ആര്യഭടൻ കഴിഞ്ഞാൽ കേരള ജ്യോതിഷികൾക്ക് ഏറെ പ്രിയങ്കരൻ ഭാസ്കരനായിരുന്നു.

Scanned with CamScanner

5)

(.... തീയതി .... മണിക്കു മുമ്പ് പ്രസിദ്ധീകരിക്കാൻ പാടുള്ളതല്ല)

പ്രസ് നോട്ട്

വിഷയം : ഇന്ത്യയും ജപ്പാനും തമ്മിലുള്ള വാണിജ്യബന്ധം

ഇന്ത്യാ ഗവണ്മെന്റും ജപ്പാൻ ഗവണ്മെന്റും തമ്മിലുള്ള വാണിജ്യ ബന്ധം സുദൃഢമാക്കാൻ ഇന്ന് ജനുവരി, 2009, വൈകുന്നേരം മണിക്ക് ഇന്ത്യയുടെയും ജപ്പാന്റെയും മന്ത്രിമാർക്കിടയിൽ ന്യൂഡൽഹിയിൽ നടന്ന മീറ്റിംഗിൽ വച്ച് ഒരു ഒത്തുതീർപ്പിൽ ഒപ്പുവക്കുകയുണ്ടായി. അതനുസരിച്ച് ഇരു രാജ്യങ്ങൾ തമ്മിലുള്ള വാണിജ്യം പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കുവാൻ വേണ്ടി പരസ്പരം ഇറക്കുമതിവസ്തുക്കളിന്മേൽ ചുമത്തപ്പെടുന്ന നികുതികളുടെ വിഹിതം 35 ശതമാനം കുറയ്ക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു. ഇതിന്മൂലം വാണിജ്യ ബന്ധങ്ങൾ മെച്ചപ്പെടുന്നതോടൊപ്പം പരസ്പരം രാഷ്ട്രീയവും സാംസ്കാരികവുമായ ബന്ധങ്ങളും സുദൃഢമാകുമെന്ന് ഇരു രാജ്യങ്ങളുടെ ഗവണ്മെന്റുകളും വിശ്വസിക്കുന്നു.

വിഭാഗത്തിന്റെ പേര്

ന്യൂഡൽഹി, തീയതി

നമ്പർ

പ്രിൻസിപ്പൽ ഇൻഫർമേഷൻ ഓഫീസർ, പ്രസ് സൂചനാ ബ്യറോ, ഭാരത സർക്കാർ ന്യൂഡൽഹിക്ക് ഈ പ്രസ്നോട്ട് വ്യാപകമായ പ്രചരണത്തിനും പ്രസിദ്ധീകരണത്തിനും വേണ്ടി അയക്കപ്പെടുന്നു.

(ക. ഖ. ഘ)

ഡെപ്യൂട്ടി സെക്രട്ടറി

ഭാരതസർക്കാർ

6)

കേരളത്തിലെ ക്രിസ്ത്യാനികളുടെയും ക്രിസ്തീയസഭകളുടെയും നിരവധി ചരിത്രങ്ങൾ ലഭ്യമാണ്. അവയെല്ലാം രചിച്ചിട്ടുള്ളത് വ്യത്യസ്തസഭകളിലെ കടുത്ത സഭാവിശ്വാസികളും പുരോഹിതന്മാരും മറ്റുമാണ്. അതിന്റെ പക്ഷപാതച്ഛായകളും അതിശയോക്തികളും അവയിലെല്ലാമുണ്ട്.

ഇവിടെ പ്രസിദ്ധീകരിച്ചുതുടങ്ങുന്നത് വ്യത്യസ്തമായ ഒരു ചരിത്രമാണ്. ഈ ചരിത്രം രചിച്ചിരിക്കുന്നത് കോട്ടയം ജില്ലയിലെ പ്രമുഖ മാർക്സിസ്റ്റ് നേതാക്കന്മാരിലൊരാളായ എം സി ജേക്കബ്ബാണ്. ഉറപ്പിച്ചുപറയട്ടെ, അവിശ്വാസിയായ ഒരു മാർക്സിസ്റ്റുകാരന്റെ ദൃഷ്ടിയിലല്ല, സത്യാന്വേഷിയായ ഒരു ചരിത്രവിദ്യാർത്ഥിയുടെ ദൃഷ്ടിയിലാണ് ഈ ചരിത്രരചന. ഇ എം എസ് പ്രവചിച്ചതുപോലെ "കേരളത്തിൽ ക്രിസ്ത്യാനികളല്ലാത്തവർക്കും സത്യം അറിയണമെന്നു താല്പര്യമുള്ളവർക്കും (ക്രിസ്ത്യാനികളായാൽപ്പോലും) പ്രയോജനപ്പെടും എന്ന പ്രതീക്ഷയോടെ ഈ സത്യമായ ക്രിസ്തീയ സഭാചരിത്രം പ്രസിദ്ധീകരിച്ചുതുടങ്ങുന്നു.

Scanned with CamScanner

7)

മേഘരൂപൻ

സഹ്യനേക്കാൾ തലപ്പൊക്കം
നിളയേക്കാളുമാർദ്രത
ഇണങ്ങി നിന്നിൽ; സൽപ്പുത്ര-
ന്മാരിൽ പൈതൃകമങ്ങനെ!

നിനക്കെഴുതുവാൻ പൂഴി
വിരിപ്പൂ ഭാരതപ്പുഴ;
നിനക്കു കാണുവാൻ മാനം
നീർത്തുന്നു വർണപുസ്തകം.

നിനക്കു മഞ്ഞുകുപ്പായം
തുന്നുന്നു തിരുവാതിര;
പടിയ്ക്കൽ വന്നു കൂകുന്നു
പട്ടണിപ്പൊന്നുഷസ്സുകൾ.

അണുധൂളിപ്രസാരത്തി-
ന്നവിശുദ്ധദിനങ്ങളിൽ
മുങ്ങിക്കിടന്നു നീ പൂർവ-
പുണ്യത്തിന്റെ കയങ്ങളിൽ.

നീ കൃഷ്ണശിലതൻ താളം;
വിണ്ണിലോലുന്ന നീലിമ;
ആഴിതൻ നിത്യമാം തേങ്ങൽ;
പൗർണമിക്കുള്ള പൂർണത.

അന്ധർ നിൻ തുമ്പിയോ കൊമ്പോ
പള്ളയോ തൊട്ടിടഞ്ഞിടാം.
എനിക്കു കൊതി നിൻ വാലിൻ-
രോമം കൊണ്ടൊരു മോതിരം.

[ആറ്റൂർ രവിവർമ

5. निम्नलिखित अनुच्छेद का मलयालम में अनुवाद कीजिए 10

राजनीति में कोई किसी का स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता, यह बात पहले न जाने कितनी बार साबित हो चुकी है लेकिन चुनावों के नजदीक आते ही मित्रता, शत्रुता के समीकरण जिस तेजी से बदलते हैं, उसे देखकर आश्चर्य होता है। विचारधारा नाम की जो अवधारणा बनाई गई है, वह राजनीतिक दलों और चुनावी उम्मीदवारों के संदर्भ में एकदम खोखली नजर आती है। एक खेमे से दूसरे खेमे में जाने का प्रचलन तब से चला आ रहा है, जब से राजनीति हो रही है, इस लिहाज से इसे मानव की मूलभूत प्रवृत्तियों में एक माना जाना चाहिए।

इस बार के चुनाव यूं तो कई मायनों में खास होने जा रहे हैं, मसलन सबसे लंबी अवधि में होने वाले चुनाव, मतदाताओं की अधिक संख्या, पहले से प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित कर व्यक्ति आधारित चुनाव लड़ने की परिपाटी डालना, इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया का बोलबाला, कांग्रेस, भाजपा के अलावा आम आदमी पार्टी का दिनोंदिन बढ़ता जोर, तीसरे मोर्चे के साथ-साथ चौथे मोर्चे के लिए जमीन तलाशना. यह सब हो रहा है लेकिन सबसे रोचक है नेताओं का एक दल से दूसरे दल में जाना या गठबंधन करना या सीटों का अघोषित समझौता करना।

Assignment

Scanned with CamScanner